BARKATULLAH UNIVERSITY BHOPAL M.P.

PM-USHA
Pradhan Mantri Uchchatar Shiksha Abhiyan

PROGRAMS CONDUCTED UNDER SOFT COMPONENT

पीएम ऊषा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बरकतुल्ला विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने संस्थान में प्राप्त किया अत्याधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण

लगातार प्रशिक्षण से ही विद्यार्थी समाज में प्रतिस्पर्धी बन सकते हैं: प्रो. एस. के. जैन

संस्थान में बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल के यूआईटी के इंजीनियरिंग एवं एमएससी के विद्यार्थियों के लिए भारत सरकार की पीएम ऊषा योजना के अंतर्गत सीमेंस सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में दिनांक 03 मार्च से 07 मार्च तक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के पहले चरण में 100 विद्यार्थीयों ने आईओटी, रोबोटिक्स, एआई-एमएल, सिमुलेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन, सीएनसी लैब्स में 05 दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्थान निदेशक प्रो. सी.सी. त्रिपाठी ने सभी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपके कैरियर के लिए ये बहुत ही बड़ा अवसर है कि आपको इस तरह की उच्च तकनीकी प्रयोगशालों में प्रशिक्षण मिल रहा है। एक अच्छे इंजीनियर को इनोवेटर, क्रिएटर, डेवलपर और प्रोड्यूसर होने के साथ-साथ समाज के प्रति संवेदनशील होना चाहिए। समाज की समस्याओं की पहचान करें और उनके हल के लिए नवाचार कर अपनी विशिष्ट पहचान बनाएं। बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस. के जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने हमारे विद्यार्थियों को अत्याधुनिक तकनीकी कौशल प्राप्त करने का अनूठा अवसर प्रदान किया है। पहले ऐसे अवसर उपलब्ध नहीं थे, इसलिए विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। विद्यार्थियों को समाज में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लगातार प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। एनआईटीटीटीआर भोपाल अब आपका दूसरा "लर्निंग होम" है। डीन कॉर्पोरेट एंड इंटरनेशनल रिलेशन्स प्रो. पी.के पुरोहित ने बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. एस. के जैन व यूआईटी

डायरेक्टर प्रो. नीरज गौर को विद्यार्थियों के प्रशिक्षण के लिए की गई इस पहल के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान भविष्य में भी विद्यार्थियों के लिए इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। सीओई प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. मनीष भार्गव ने विद्यार्थियों को संस्थान की उच्च तकनीकी प्रयोगशालों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय से समन्वयक डॉ. गरिमा सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों में नई स्किल्स डेवेलप होंगी जो उनके भविष्य के लिए कारगर सिद्ध होंगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से विद्यार्थियों को उच्च तकनीकी कौशल के साथ-साथ समस्याओं का समाधान और नए प्रोजेक्ट्स विकसित करने की प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम का संचालान श्रीमती बबली चतुर्वेदी द्वारा किया गया।

SHORT TERM TRAINING
PROGRAMME (STTP)
Participants of Barkatullah University, Bhopal
VALEDICTORY FUNCTION : 7th March 2025

SHORT TERM TRAINING
PROGRAMME (STTP)

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय

सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग भोपाल (म.प्र.)

पी.एम. उषा स्कीम के अंतर्गत अंतराष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन (2025-26)

कार्यक्रम का स्थान :- बरकतउल्लाह,विश्वविद्यालय सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग भोपाल (म.प्र.)

दिनांक - 10/01/2025 से 13/01/2025 तक

समय :- 10:30 सुबह से 04:00 शाम तक

कार्यक्रम की गतिविधिया

कार्यक्रम का नाम : भारतीय ज्ञान परंपरा मे नई शिक्षा नीति 2020

प्रतिभागियों की संख्या :- 170,

बरकतउल्लाह,विश्वविद्यालय सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग भोपाल मे पी.एम. उषा स्कीम के तहत तीन दिवसीय इंटरनेशनल सेमीनार का आयोजन किया गया जो की भारतीय ज्ञान परंपरा की मुख्य अवधारणा पर आयोजित था

प्रथम दिन (दिनांक :-10/01/2025)

प्रथम दिन इंटरनेशनल सेमीनार के अंतर्गत मुख्य अतिथि के रूप मे बरकतउल्लाह,विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर एस के जैन जी , इग्नू की निदेशक विनी ट्रामस मेडम एवं रामकृष्ण मिशन के सचिव स्वामी नित्यानंदजी थे साथ ही पूर्व प्राध्यापक डॉ. कालिका यादव जी एवं अशासकीय वि.वि. भारत भूषण सिंह जी थे जिनका स्वागत सतत शिक्षा केंद्र के डीन एवं विभागाध्ययक्ष प्रोफेसर (डॉ.) हेमंत खंडई द्वारा किया गया ।

कर्यक्रम का शुभारंभ विवेकानंद विधायालय के विधयार्थी द्वारा सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन से किया गया उसके पश्यात मध्यप्रदेश गायन गाया गया । इस अन्तराष्ट्रीय

सेमीनार मे बरकतउल्लाह,विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रोफेसर एस. के. जैन जी

अपने उद्बोधन मे भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात किया गया, स्वामी जी ने मानव मूल्यों की जानकारी प्रदान की प्रोफेसर कालिका यादव जी ने नैतिकता के लक्ष्यों को शिक्षा मे समाहित करने का आवहन्न किया प्रोफेसर भरत भूषण सिंह जी ने भारतीय विज्ञान ही भारतीय ज्ञान परंपरा की धरोहर पर प्रस्तुतीकरण किया इगनू की निदेशक विनी टाम्स ने इगनू के 300 से अधिक कोर्स के विषय मे बताया तथा भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़े कोर्स को बरकतउल्लाह,विश्वविद्यालय के सीलेब्स मे समाहित करने के लिए कहा इसके साथ ही कई रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई जिसके अंतर्गत सर्कस,नाच,एवं गायन का प्रस्तुतीकरण था सबसे खास बात ये रही की बरकतउल्लाह,विश्वविद्यालय मे इगनू का स्टडी सेंटर स्थापित किया गया जिसका लोकापर्ण माननीय कुलगुरु प्रोफेसर एस के जैन जी द्वारा किया गया एवं इसका समन्वयक प्रोफेसर (डॉ.) हेमंत खंडई को बनाया गया अंत मे प्रोफेसर (डॉ.) हेमंत खंडई द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया

दूसरा दिन (11/01/2025)

दूसरे दिन सेमीनार मे मंच पर आसीन प्रोफेसर उमेश वसिष्ठ, स्वामी राघवेंद्र रामकृष्ण

मिशन, जी,प्रोफेसर प्रसहना महापात्रा ,डॉ. विजय कुमार आरएनटी यू, द्वारा तीन पुस्तक का विमोचन किया साथ ही भारतीय परंपरा का नई शिक्षा नीती 2020 मे संचालित करने के

विषय मे बताया तथा विभिन्न विधयार्थियों द्वारा पेपर प्रस्तुति कारण किया गया जिसमे विशिष्ट पेपर का पुरुस्कार प्रोफेसर कसिराओ जी को मिला । सेज

स्कूल के विधयार्थियों ने फेशन शो प्रस्तुत किया जो की भारत के इतिहास की प्रसिद्ध

महिलायो पर आधारिक्त था ।

कार्यक्रम के अंत मे प्रोफेसर (डॉ.) हेमंत खंडई द्वारा सभी प्रतिभगियों एवं विभिन्न महाविधालयों से आए शिक्षाविदों को धन्यवाद दिया गया ।

तीसरा दिन (12/01/2025)

बरकतउल्लाह,विश्वविद्यालय सतत शिक्षा एवं विस्तार विभाग भोपाल मे पी.एम. उषा स्कीम के तहत तीन दिवसीय इंटरनेशनल सेमीनार के अंतिम दिन मंच पर आसीन रवींद्र नाथ टेगोर यूनिवर्सिटी की प्रो.वि.सी. संगीत जौहरी जी ने भारतीय सनातन धर्म के विषय मे बताया ,प्रो.बी.बी.सिंह आगरा यूनिवर्सिटी से आए प्रो. ने भारतीय शिक्षा एवं

परंपरा की जानकारी प्रदान की, इसके साथ इगनू से आए अंशुमान ने भी इगनू के कोर्स से संबंधित जानकारी प्रदान की , मित्तल इंस्टिट्यूट की निदेशक डॉ. सिमिरिन सिंह ने भी भारतीय संस्कारों के विषय मे समझाया , पूर्व प्रोफेसर त्रिपाठी जी मनोविज्ञान किस तरह भारतीय परंपरा से

सम्वन्धित है की जानकारी प्रदान की प्रो.एन. के कोशिक जी ने सभी छात्रो और शिक्षकों एवं अतिथियों को धन्यवाद के साथ आभार प्रकट किया वभिन्न राजयो से आए

प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट एवं पुरुस्कार प्रदान किए

अंत मे प्रो. (डॉ.) हेमंत खंडई ने पी.एम. उषा स्कीम के तहत तीनों दिनों की संक्षिप्त से बताया मंच संचालन के लिए डॉ. दिव्य को आभार दिया ,प्रोफेसर सरिता वर्मा ,एवं डॉ. अरसद ने कार्यक्रम का संचालन के लिए आभार प्रदान किया एवं महाविधालय से प्राचार्य ,प्रोफेसर सभी का आभार प्रदान किया एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए गए

अंत मे सभी प्रतिभागियों ने भोजन कर प्रस्थान किया ।

धन्यवाद

Barkatullah University Bhopal

MERU Universityunder PM-UShA scheme

Format for reports of programs conducted under Soft component of the scheme

Name of department	Department of Pharmacy, Barkatullah University Bhopal
Name of coordinator	Prof. Ragini Gothalwal,Director, Department of Pharmacy,Barkatullah University Bhopal
Title of program	Hands-On Training On Relevance Of QSAR In Pharmaceutical Education
Type of program	Training
Date of Program	10th -12th MARCH 2025
Details of guests/ experts	1. Dr. Kamal Raj Pardasani, Professor MNIT, Link Road Number 3, Near Kali Mata Mandir, Bhopal, (M.P.) 2. Dr. Sukhwant Singh , Associate Professor, Pharmaceutical Chemistry, Sagar Institute Of Research And Technology - Pharmacy, SAGE University, Bhopal 3. Dr Ashish Acharya, Principal, St. George Institute Of Pharmacy,Saltanatpur (Vidisha Road) Bhopal 4. Dr. Pradeep Singour, Vice Principal,,Department Of Pharmaceutical Chemistry, VNS Group Of Institutions Bhopal 5. Dr. Om Prakash Tanwar,Associate Professor,Department Of Pharmacy, Shri G. S. Institute Of Technology & Science, Indore 6. Dr Vishal Gupta,Dean Pharmacy,Mansarovar Global University, Bhopal
No. of participants	50
Amount proposed (in Rs.)	200000/-
Amount expenditure (inRs.)	101947/-
Any due amount	Nil
Outcome	The three-day Hands-On Training on "Relevance of QSAR in Pharmaceutical Education," organized by the Department of Pharmacy at Barkatullah University, Bhopal, from March 10-12, 2025, proved to be a highly successful and enriching event. The workshop aimed to enhance the understanding of Quantitative Structure-Activity Relationship (QSAR) and its significance in pharmaceutical research, benefiting both students and faculty.The workshop featured a combination of expert lectures and hands-on practical sessions. Notable speakers, including Prof. Neeraj Upmanyu, Prof. Vivek Sharma, Prof. Kamal Raj Pardasani, and Dr. Ashish Acharya, emphasized the growing relevance of QSAR in modern drug discovery and its role in advancing pharmaceutical sciences. Practical training sessions on QSAR modeling techniques, led by experts such as Prof. Pradeep Singour, Prof. Sukhwant Singh, and Dr. Om Prakash Tanwar, provided participants with an opportunity to apply theoretical knowledge to real-world drug development challenges.The final day's discussions on AI-driven drug discovery and the closing address by Hon'ble Vice-Chancellor, Prof. S.K. Jain, highlighted the university's commitment to fostering research-oriented education. The participants provided positive feedback, noting the valuable insights gained during the workshop. In conclusion, the event successfully

	underscored QSAR's importance in pharmaceutical education and research, equipping participants with the tools to contribute to advancements in drug discovery and development.				
Output*(in terms of)	Skills Gained	Knowledge Enhancement	Research Application	Technological Proficiency	Career Development
	Practical QSAR modelling techniques and AI-driven drug discovery knowledge.	Deeper understanding of QSAR's role in pharmaceutical research and AI-driven drug development.	QSAR models in pharmacy predict drug efficacy, toxicity, and ADMET properties, streamlining drug discovery and optimizing molecular design.	Integration of computational tools in ongoing research and academic projects.	QSAR modeling offers a promising career in drug discovery, combining computational skills with pharmaceutical research to develop safer, more effective therapies.
Follow up for 3 months to know the output	Students who participated in the "Relevance of QSAR in Pharmaceutical Education" workshop will likely report significant progress in applying the concepts and techniques they learned. Many will integrate QSAR modeling into their academic and research projects, enhancing their understanding of drug discovery processes. Students will gain more confidence in using QSAR software tools and conducting related analyses. The workshop will inspire some to explore career opportunities in pharmaceutical research, particularly in AI-driven drug development. Overall, the event will have a lasting impact, equipping students with essential skills for their future careers in pharmaceutical sciences.				
GPS tagged photos of the program					

Others	The workshop could explore integrating QSAR with emerging technologies like machine learning and AI to further enhance drug discovery. Additionally, expanding collaborative efforts with industry partners can provide real-world exposure to students and researchers.

*These terms are from the instructions given by Commissioner, Higher Education and PM-UShA guidelines pg.no.5-7. The screenshot is included for reference.

Name & Signature of coordinator

PM-USHA would be focusing on the following:

A. Equity, Access, and Inclusion:

10. As per the AISHE report (FY 2020-21), GER in higher education in India is 27.3, which is calculated for the 18-23 years of age group. GER for the male population is 26.7 and for females, it is 27.9. For Scheduled Castes, it is 23.1 and for Scheduled Tribes, it is 18.9 as compared to the National GER of 27.1. Scheduled Caste

students constitute 14.2% and Scheduled Tribes students 5.8% of the total enrolment, 35.8% students belong to Other Backward Classes, and 44.2% students are from other communities. In addition, there are more than 78.6% of colleges running in the private sector; aided and unaided taken together, but it caters to only 65.5% of the total enrolment. About 78.09% of the students are enrolled in undergraduate level programs, 61.4% of colleges are located in rural areas, 10.5% of colleges are exclusively for females, 24.5% of the colleges are having an enrolment of less than 100, and only 4% of colleges have an enrolment of more than 3000.

11. The above statistics show the scope for enhancement in equity, access, and inclusion and hence the scheme focuses on equity initiatives and gender inclusion by providing adequate opportunities to underprivileged groups, and it promotes the inclusion of women, minorities, SCs/STs/OBCs, and specially-abled people in higher education, which will help to increase the GER. Furthermore, the language barrier for learners must be removed, and multilingualism, such as mother tongue/local and regional languages as a medium of instruction, should be promoted, increasing accessibility among different courses and allowing learners to develop an artistic, creative, cultural, and academic path.

E. Enhancing Employability through Multidisciplinarity :

21. Collaboration between industry and academia is key to catalyzing innovation and growth in career building. PM-USHA will encourage the HEIs to get linked with the Industry and the Market to strengthen skills, innovations, and employability. PM-USHA will focus on the establishment of employment cells to create linkages between Academia, Industry, and the Market. It also ensures rigorous tracking and monitoring of employability through market-linked courses and emphasizes the development of cognitive skills and learning outcomes.